Santhal pargana mahavidyalaya Dumka
Paper- darshan shastra 4 semester
Paper 4 G.E
(logic Indian western and symbolic)
Dr. Pooja Gupta,
(darshan shastra vibhag)

एक शब्द में उत्तर दें :-

Q 1- न्याय दर्शन के प्रवर्तक कौन हैं।
Q 2-,न्याय दर्शन में अनुमान के कितने भेद माने हैं ।
Q 3- अनुमान में किस की आवश्यकता होती है।
Q 4- प्राचीन न्याय के अनुसार अनुमान के कितने भेद माने गए हैं
Q 5- नव न्याय के अनुसार अनुमान के कितने भेद स्वीकार किए गए हैं।
लघु उत्तरीय प्रश्न पत्र

Q 1-प्राचीन न्याय के अनुसार अनुमान कितने प्रकार के हैं और उसकी व्याख्या कीजिए।
Q 2- नव्य न्याय के अनुसार अनुमान के भेद की व्याख्या कीजिए।
Q 3- व्याप्ति कितने प्रकार की होती है ,बताइए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पत्र

Q 1- न्याय दर्शन में अनुमान के प्रकारों का वर्गीकरण कीजिए।
Q 2- न्याय दर्शन के अनुसार अनुमान के दोष हेत्वाभास को समझाइए।